शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

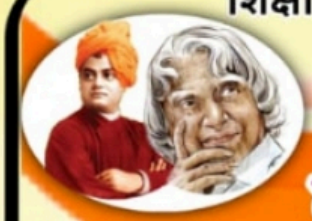

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

901 से 1000

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-05.11.2020

901

दिन- गुरुवार

व्रती हैं जो रति रुपा

सजेंगी आज गहनों से,
वसन्ती बेल सी ऐसी।
कि खिले प्रसून हों जिसमें,
निकसी हों कुछ कलियाँ भी।।

धारेंगी वे परिधान,
नयें नूतन कलेवर के।
साज-श्रृंगार दुल्हन सा,
करेंगी आज मिल जुल के।।

सहज नयनों में झलकेगा,
निस्सीम प्रेम का सागर।
याचना देव से इतनी,
दीर्घायु हों मेरे प्रियवर।।

सुना चिरकाल से ही है,
ऐसा समर्पण नारी का।
सीता हो या सावित्री,
अहसान उनका भारी सा।।

नमन दुर्गा, नमन विमला,
नमन कमला, नमन माता।
नमन करता " विजय" उनको,
व्रती हैं जो रति रुपा।।

रचना-
विजय प्रकाश रतूडी(प्र0अ0)
रा०प्रा०वि०ओडाधार विकास
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/11/2020

902

दिन- गुरुवार

दो दोस्तों की कहानी

चूजा था एक गोल-मटोल,
बत्तख के बच्चे से था मेल।
साथ में रहता खेला करता,
बिना विचारे काम वो करता।।

बत्तख जो करे, वो चूजा करता,
नकल बत्तख की था वो करता।
सबक कोई वो सीख न पाता,
बस शैतानी वो करता जाता।।

एक दिन बत्तख का बच्चा तैरा,
उसे देख चूजा पानी में उतरा।
लेकिन वो तो तैर न पाया,
बचाओ! बचाओ! वो चिल्लाया।।

बत्तख के बच्चे ने जान बचायी,
चूजे को राहत फिर आयी।
नकल बत्तख की नहीं करुँगा,
बात समझ में चूजे को आयी।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर-1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 6.11.2020

903

दिन- शुक्रवार

खेल- खेल में आकृतियाँ

मेरे घर के दरवाजे की,
दो भुजाओं की समान लम्बाई है।
दो आमने-सामने की भुजाओं की,
एक समान चौड़ाई हैं।।

सोचूँ मैं यह क्या आकृति है?
तभी मुझे ध्यान आ जाता।
आमने-सामने की भुजा बराबर,
वो आयतताकार कहलाता।।

दोनों किवाड़ में चार-चार खाने,
चौकोर ही मुझे दिखते हैं।
चारों भुजा बराबर इनकी,
इन्हें वर्गाकार भी कहते हैं।।

खाना खाता जिस थाली में,
वो और रोटी गोल वृत्त जैसी।
समझ गया मैं वृत्ताकार, वर्गाकार,
आयतताकार की आकृति कैसी।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पू० मा० वि०- तेहरा
मथुरा, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/11/2020

904

दिन- शुक्रवार

ऋतुएँ

आसमान में बादल छाए,
टप-टप-टप-टप बूँदें लाए।
मेंढक टर्र-टर्र चिल्लाए,
बरखा ऋतु वह कहलाए।।

फसलें लहरी कोयल कूँके,
फूलों की चहुँ खुशबू महके।
चारों ओर हरियाली छाए,
ऋतुओं का राजा बसंत जब आए।।

गर्मी का मौसम जब आए,
सूरज अपनी शिखर पर जाए।
टप-टप-टप-पसीना बहाए,
बिन कूलर अब रहा न जाए।।

ठंड से ठिठुरन जब है आए,
शीत ऋतु संग अपने लाए।
स्वेटर सबकी ठंड भगाए,
चाय कॉफी हमको भाए।।

रचना

नीतिका वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ ,लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

905

दिनाँक- 6/11/2020

दिन- शुक्रवार

स्वच्छ रहे, स्वस्थ रहे

शरीर हमारे स्वस्थ हैं,
शरीर हमारे स्वच्छ हैं।
खाना खाने से पहले,
हाथों को धोएँ सबसे पहले।।

जब हम खाते हैं,
हाथ में कीटाणु रहते हैं।
आँखो से हम देखते हैं,
कानों से हम सुनते हैं।।

खाना खाने से पहले,
ब्रश करना चाहिए।
दाँत से चबाकर खाते हैं,
जीभ से स्वाद लेते हैं।

घर की सफाई रोज करें,
कूड़ा-कचरा कूड़ेदान में फेंका करें।
शौच के बाद, साबुन से हाथ धोआ करें,
सुबह और सोने से पहले दाँत साफ करें।।

रचना
अनुप्रिया कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06.11.2020

906

दिन- शुक्रवार

ट्रैफिक नियम

शहरों के चौराहों पर,
तीन तरह की जलती बत्ती।
आओ बच्चों तुम्हें बताएँ
सड़कों पर क्यों बनी है पट्टी।

यदि जली हो लाल बत्ती,
वहीं पे तुमको रुकना है।
पीली कहे तैयार रहो,
हरी जले तो चलना है।।

भीड़ बहुत रहती शहरों में,
लेकिन तुम न घबराना।
बायीं वाली पटरी पकड़ो,
आगे को बढ़ते जाना।।

मोड़ अगर तुम्हे मुड़ना हो तो,
एकाएक मत मुड़ जाना।
दाएँ, बाएँ, पीछे देखो,
फिर धीरे से मुड़ जाना।।

रचना-
संजना मिश्रा, कक्षा-8
यूपीएस, चित्रवार, मऊ, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06.11.2020

907

दिन- शुक्रवार

शरद ऋतु

शरद ऋतु आयी है।
खुशियों का मौसम लायी है।
त्योहारों की धूम मचेगी,
मेलों में दुकान सजेगी।।

नवरात्रि खूब मनायेंगे,
दुर्गा पूजा हम करेंगे।
जब आयेगी दीवाली,
हम बाजार जायेंगे।।

दादा-दादी के संग हम,
मिठाई खूब खायेंगे।
सब घूमेंगे सब मिलेंगे,
जलेबी रसगुल्ले खायेंगे।।
खिलौनों की दुकान से हम,
नये खिलौने लायेंगे।।

रचना- कु0 अनुष्का
कक्षा- चतुर्थ
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/11/2020

908

दिन- शुक्रवार

कलम

लिखना कैसा सुन्दर भाये,
अक्षर मोती जैसे बनाये।
लिखना जिससे हमको आए,
कलम वही फिर कहलाए।।

सुन्दर- सुन्दर लेख लिखाए,
शिक्षित की पहचान बताए।
पद, गरिमा, सम्मान दिलाए,
ज्ञानवान, गुणवान बनाए।।

है कलम बहुत ही न्यारी,
वह हाथ में लगती प्यारी।
अक्षर-अक्षर खिलता जाए,
लेख लिखा क्या? बतलाए।।

बिना कलम के छाप अँगूठा,
कलम बनाती हमें अनूठा।
लिखे जो लेखक वह बन जाए,
संदेश कलम ही लिखवाए।।

रचना-सतीश चन्द्र(इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि०अकबापुर
पहला,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/11/2020

909

दिन- शुक्रवार

पेड़ हमें प्रदान करते हैं

हम पेड़ों की देखभाल हैं करते,
जीवन बचाने के काम ये आते।
शुद्ध वायु प्रदान हमें हैं करते,
रंग-बिरंगे फूल हमें है देते।।

हम पेड़ों की देखभाल हैं करते,
जीवन बचाने के काम ये हैं आते।
तरह-तरह के फल हैं हमें देते,
स्वादिष्ट सब्जियाँ भी हैं देते।।

हम पेड़ों की देखभाल हैं करते,
जीवन बचाने के काम ये हैं आते।
यह लकड़ी हैं हमें देते,
और पत्तियों से भोजन बनाते।।

हम पेड़ों की देखभाल हैं करते,
जीवन बचाने के काम ये हैं आते।
यह अपना भोजन स्वयं बनाते,
तभी तो यह सजीव कहलाते।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06.11.2020

910

दिन- शुक्रवार

नन्हीं गिलहरी

अरी! गिलहरी सुन-सुन-सुन,
दाना क्यों खाती चुन-चुन।
हम बच्चों के पास में आजा,
गरमागरम पकोड़े खाजा।।

मीठा दलिया आया है,
बहुत ही हमको भाया है।
दलिया खाना चुन-चुन-चुन,
अरी! गिलहरी सुन-सुन-सुन।।

नन्हीं गिलहरी फुदक के बोली,
बच्चों! पास ना आऊँगी।
दूर से दोगे खाऊँगी,
भूखी ही सो जाऊँगी।।
अरी! गिलहरी चुप-चुप-चुप,

खाना हमने खाया है,
बिस्तर साफ लगाया है।
निंदिया रानी आएगी,
तुमको गीत सुनाएगी।।
अरी! गिलहरी सुन-सुन-सुन,

रचना-
दीपिका चौसाली (प्र०अ०)
राजकीय प्रा० वि० विरकाणा
कनालीछीना, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 06-11-2020

911

दिन- शुक्रवार

गुरु कृपा

संस्कार के बीज बोकर मुझमें,
ज्ञान से जिन्होंने सींचा है।
नमन करती हूँ, उन गुरुवर को,
जिन्होंने मुझे ज्ञान दिया है।।

गलतियों पर डाँटा कभी ,
तो प्यार से समझाया भी।
अच्छे- बुरे की कर सकूँ पहचान,
इस काबिल मुझे बनाया भी।।

मान है मुझको, अभिमान मुझको,
अपने गुरु की विद्या पर।
आज मैं सफल हूँ उनके,
कर्म तपस्या के फल से।।

ऋणी हूँ उनकी कृपा का,
कितनी, कैसे मैं बखान करूँ।
आज के पावन दिवस पर,
अर्पित कोटि-कोटि प्रणाम करूँ।।

रचना-
नीलम शर्मा (स०अ०)
रा० पूर्व मा० वि० टिमली
विकास नगर, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07-11-2020

912

दिन- शनिवार

बेसिक के बच्चे

हम बेसिक के बच्चे हैं,
हम तो अच्छे बच्चे हैं।
हम तो मन के सच्चे हैं,
अपनी धुन के पक्के हैं।।

जाति- धर्म भुलाना है,
रंग-भेद मिटाना है।
सुर से सुर मिलाना है,
मिलकर आगे बढ़ना है।।

हम तो रंग-बिरंगे फूल,
हम को जाना है स्कूल।
पढ़ा-लिखा जाना ना भूल,
मिलकर चलो सभी स्कूल।।

शिक्षा का दीप जलाना है,
अशिक्षा को जड़ से मिटाना है।
शांति प्रेम, भाईचारे का दीप जलाना है,
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाना है।।

रचना- उर्मिला रानी (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रेसरा
चंडौस, अलीगढ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/11/2020

913

दिन- शनिवार

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ,
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।
नये आयाम गढ़ते जाएँ,
ऊँचाईयों तक इसे पहुँचाएँ।।

सब पढ़ें सब बढ़ें

प्रार्थना व्यायाम ध्यान कराएँ,
योग से तन-मन स्वस्थ बनाएँ।
विद्यालय आकर्षक बनाएँ,
पाठ को और रुचिकर बनाएँ।।

नित नये पाठ पढ़ाएँ,
नयी सीख सिखाते जाएँ।
कविता कहानियाँ खूब सुनाएँ,
नैतिकता का पाठ पढ़ाएँ।।

विज्ञान में प्रयोग कर दिखलाएँ,
जीवन जीने की राह सिखाएँ।
उत्तम गुण विकसित कर पाएँ,
अच्छा व्यक्तित्व विकसित कर जाएँ।।

रचना- सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07-11-2020

914

दिन- शनिवार

बाग लगाना

बगीचे में वृक्ष लगाना भी,
कठिन कार्य होता है।।
सही विधि से न लगे हों तो,
वृक्ष लगाना बेकार होता है।।

ज़िला उद्यान अधिकारी से,
पहले जानकारी प्राप्त करें।
जिससे वृक्ष लगाने के बाद,
अन्त में सजा न भोगना पड़े।।

बाग में पौधे लगाने का समय,
जुलाई से अगस्त महीना होता है।
पतझड़ वाले पेड़ों को दिसम्बर,
से फरवरी में लगाना होता है।।

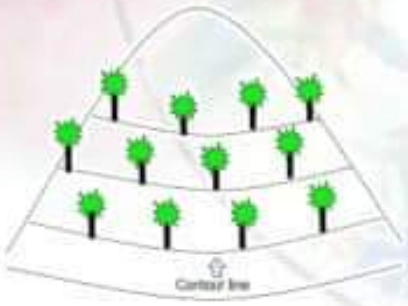

जहाँ तक हो सके पेड़ों को,
सीधी रेखा में लगाना चाहिए।
अनेक तरह के वृक्षों को,
अलग-अलग स्थान पर लगाना चाहिए।।

रचना-

शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 7/11/2020

915

दिन- शनिवार

तितली

तितली रानी, तितली रानी,
तितली होती, बहुत सुहानी।
तितली बैठती, है फूलों पर,
बच्चे देखते, खुश हो उन पर।।

तितली आतीं हैं जब तो,
बच्चे दौड़ते पकड़ने को।
फूलों में वह छिप जाती,
तरह-तरह से उन्हें छकाती।।

रंग-बिरंगी होती तितली,
सबके मन को हर लेती।
लाल, पीली, नीली, हरी,
तितली सबको खुशियाँ देती।।

लाल तितली है अतिसुन्दर,
पीली तितली भी सुन्दर।
हरी तितली भी है अतिसुन्दर,
और नीली तितली भी है सुन्दर।।

रचना

भानुप्रताप(छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/11/2020

916

दिन- शनिवार

एलोरा की गुफा

एलोरा कहो या एलोर गुफा,
मूल नाम इनका वेरुल है।
भारतीय पाषाण, शिल्प- कला,
स्थापत्य-कला दिखती भरपूर है।।

एक विश्व धरोहर स्थल यह,
यूनेस्को द्वारा घोषित है।
बनवाया राष्ट्रकूट शासकों ने,
आज महाराष्ट्र में स्थित है।।

हिंदू, बौद्ध व जैन मंदिरों युक्त,
धार्मिक सौहार्द को है दर्शाता।
प्रकार इसका है सांस्कृतिक,
34 गुफाओं को दिखलाता।।

कैलाश मंदिर, रावण की खाई,
इंद्रसभा, दशावतार गुफा इनमें,
विश्वकर्मा गुफा, तीन-ताल गुफा,
रामेश्वर है खास गुफा जिनमें।।

रचना- गुलफ्शाँ (स०अ०)
प्रा० वि० केवटरा बेंता
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 07.11.2020

917

दिन- शनिवार

माँ बेटा

आज स्कूल नहीं जाना,
सुबह उठ बेटा माँ से बोला,
आज मुझे नहीं पढ़ने जाना।
जरा बना दो कोई बहाना।।

बोली माँ सुन मेरे बेटे,
बस्ता और ले यह खाना।
सुबह बच्चा जो स्कूल जाता,
राजा बेटा वह कहलाता ।

पर ना आज स्कूल जाऊँगा,
दिन भर मित्रों संग खेलूँगा।
प्यार किया फिर माँ बोली ,
पढ़ाई से ना कोई ठिठोली।।

शाम को जब वापस आना,
मित्रों संग फिर खेलने जाना।
खूब पढ़ो, खूब लिखो बेटा,
बन जाओ तुम राजा बेटा।।

रचना- गायत्री सिंह (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० सुंदरवाला
रायपुर, देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 7.11.2020

918

दिन- शनिवार

अगणित दीप जलाएँ हम

ज्योति जला जगमग जीवन की,
जीवन भर मुस्काएँ हम।
बनकर ज्योतित दीप धरा पर,
अगणित दीप जलाएँ हम।।

याद रखें ज्योति दीपक ही,
अंधकार को हरता है।
स्वयं प्रकाशित होकर सबका,
पथ आलोकित करता है।।

पुलकित जागृत रहें स्वयं हम,
औरों को झकझोर जगाएँ।
हम भी बढ़ें और पिछड़ों को,
आगे हम सतत बढाएँ।।

सूर्य- चंद्र तारागण निश- दिन,
यही क्रम- पथ अपनाते।
दिशा प्राप्त कर पथिक उन्हीं से,
जीवन में आगे बढ़ते जाते।।

रचना-:
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
टनकपुर, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/11/2020

919

दिन- सोमवार

दिवाली

दिवाली आयी, दिवाली आयी,
ढेर सारी खुशियां लायी।
घर-घर हुई खूब सफाई,
रंग सजाकर हुई पुताई।।

पटाखे और फुलझड़ी जलायी,
बहन-भाई संग मौज मनायी।
दादा-दादी संग बहन-भाई,
सब ने मिल दिवाली मनायी।

खील-बताशे संग पूजे माई,
सब मिल खाएं खूब मिठाई।
दीप जला दीपमाला सजायी,
रंग-बिरंगी मोमबत्ती लगायी।।

द्वार, तोरण, कंडील सजायी,
रंग-बिरंगी रोशनी जगमगायी।
आंगन बीच रंगोली सजायी,
लक्ष्मी-गणेश की पूजा आयी।।

रचना-
कविता गुप्ता (स०अ०)
पू० मा० विद्यालय बिसाहुली
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9/11/2020

920

दिन- सोमवार

"अगर पंख हमारे होते"

अगर पंख हमारे होते,
चिड़िया जैसे हम उड़ जाते।
दूर कहीं हम उड़ जाते,
काली घटाओं से मिल आते।।

मन करता पहाड़ों पर चढ़ जाते,
मन करता नदियों से मिल आते।
मन करता पेड़ों पर चढ़ जाते,
मीठे ताजे फल हम खाते।

मन करता जंगल में जाते,
चिड़ियों के संग गाना गाते।
चिड़ियों के बच्चों के संग,
मिलकर हम खेलकर आते।

फूलों के बागों में जाते,
भौरों के संग हम गुनगुनाते।
अगर पंख हमारे होते,
चिड़िया जैसे हम उड़ जाते।

रचना

सौम्या कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-09.11.2020

921

दिन- सोमवार

संस्कृत भाषा का महत्व

प्राचीन भाषाओं की एक भाषा,
जिसके हैं अनेकों नाम।
देवभाषा और देववाणी,
सुर वाणी, गीर्वाणी हैं नाम।।

कई अलौकिक गुण हैं इसमें,
जिससे कहलाती देवभाषा।
मानव जीवन का दर्शन कराती,
इतिहास, पुराण, वेद सुनाती भाषा।।

ज्योतिष का है ज्ञान कराती,
इसीलिए जननी कहलाती है।
वेद, उपनिषद, पुराण पढ़ा,
सर्वज्ञाता हमें बनाती है।।

धन्य है यह मातृभूमि,
जिसमें है संस्कृत भाषा महान।
सम्पूर्ण साहित्य की जननी है यह,
जो देती है सबको ज्ञान।।

रचना-
देवेश्वरी सेमवाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० कान्दी
अगस्त्यमुनि(रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-09.11.2020

922

दिन- सोमवार

ज्ञानेन्द्रियाँ

आओ बच्चों! तुम्हें सुनाएँ,
ज्ञानेंद्रियों की बात बताएँ।
मस्तिष्क तक सन्देश पहुँचाती,
वह ज्ञानेन्द्रियाँ हैं कहलाती।।

जिससे दुनिया हैं देखते,
उसे आँख हम कहते।
गन्ध-दुर्गन्ध की करें पहचान,
नाक है वह, हमारी महान।।

सुनने का है जो सहारा,
कान है वो हमारा।
स्वाद को दुनिया में है भरती,
जीभ है यह सब करती।।

ठण्डा, गर्म, और दर्द का,
त्वचा, कराए हमें एहसास।
यह पाँचों, सूचना पहुँचाते,
इसीलिए ज्ञानेन्द्रियाँ कहलाते।।

रचना-
कुसुम लता नौटियाल(प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० खर्क
कीर्तिनगर(टिहरी गढ़वाल)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/11/2020

923

दिन- सोमवार

चंद्रशेखर वेंकटरमन

देश में जन्मे महान वैज्ञानिक,
नाम 'चंद्रशेखर वेंकटरमन'।
7 नवंबर जन्मदिन उनका,
करते हैं हम उन्हें नमन।।

भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक,
वैज्ञानिक थे बड़े महान।
रमन इफेक्ट की खोज करके,
किया जिन्होंने अनुसंधान।।

रामन रिसर्च इंस्टीट्यूट की,
स्थापना की बैंगलोर में।
विश्वविद्यालयीन कांग्रेस में,
भाग लिया था ऑक्सफोर्ड में।।

भौतिक क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार,
भारत रत्न का मिला सम्मान।
नाम किया रोशन देश का,
संपूर्ण विश्व में बढ़ाया मान।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09-11-2020

924

दिन- सोमवार

चन्द्र शेखर वेंकटरमन जी

7 नवम्बर 1888 को तमिनाडु के,
तिरुचिरापल्ली में जन्म पाए थे।
पिता चन्द्रशेखर अय्यर, माता पार्वती,
के गुण जन्म से आए थे।।

प्रकाश प्रकिर्णन के क्षेत्र में,
सी० वी० रमन ने कार्य किया।
1930 में भौतिकी के लिए,
इन्हें नोबेल पुरस्कार मिला।।

अनेक खोजें करके आपने,
प्राकृतिक रहस्यों का पता लगाए।
भारत-रत्न, लेनिन-शान्ति जैसे,
अनेक पुरस्कार आप पाए।।

इनके आविष्कार रमन प्रभाव को,
इनके नाम से जाना जाता है।
28 फरवरी को राष्ट्रीय-विज्ञान-दिवस,
सी० वी० रमन की याद में मनाया जाता है।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9.11.2020

925

दिन- सोमवार

वैज्ञानिक चन्द्रशेखर वैंकटरमन

सी० वी० रमन भारतीय भौतिक वैज्ञानिक थे,
पिता चन्द्रशेखर अय्यर भौतिक-विज्ञान प्रवक्ता थे।
7 नवम्बर 1888 तमिलनाडु तिरुचिरापल्ली में जन्म लिया,
माता-पिता ने उनको बेहतर शैक्षिक वातावरण दिया।।

घर में थी लाइब्रेरी पिता की जिसमें पढ़ते रहते थे,
कुशल वीणा- वादक भी थे, वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते थे।
कॉलेज की प्रयोगशाला में प्रयोग और खोज करते थे,
चिकित्सक रहे आधुनिक युग के ऐसे भारतीय वैज्ञानिक पहले थे।।

स्वतन्त्र-भारत में विज्ञान के अध्ययन व शोध को प्रोत्साहन दिया,
"साउथ इंडियन साइन्स एसोसिएशन बैंगलोर" में भाषण दिया।
प्रकाश के प्रकीर्णन, रमन-प्रभाव खोज करके प्रमाण दिया,
भारत सरकार ने 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 9/11/2020

926

दिन- सोमवार

सी० वी० रमन

सी० वी० रमन, सी० वी० रमन,
कहलाये चन्द्रशेखरवेंकट रमन।
रमन प्रभाव की खोज पर,
प्रकाश प्रकीर्णन की सोच पर।।

नोबल का सम्मान पाया,
एशिया में प्रथम जन का मान दिलाया।
सात नवम्बर अट्ठारह सौ अट्ठासी,
बने तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु के वासी।।

"चन्द्रशेखर अय्यर" से था, पिता का नाता,
"पार्वती अम्मल" थी, सी० वी० की माता।
रिश्तों में जुड़ा, और भी एक नया खाता,
"लोकसुंदरी" से जुड़ा, धर्मपत्नी का नाता।।

"नाईटहुड" पाया, "नोबल" पाया,
"भारतरत्न" ने सम्मान बढ़ाया।
"लेनिन शान्ति पुरस्कार ने तो,
पूरे विश्व में नया कीर्तिमान बनाया।।

रचना
सुमन मौर्या(स०अ०)
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10-11-2020

927

दिन- मंगलवार

हिमालय पर्वत

हमारा पहाड़ हिमालय है।
यह औषधियों का आलय है।।
यहाँ गिरते हिम और पाला।
सूरज करता यहाँ उजाला।।
भारत का यह ताज है।
यहाँ ना आए आँच है।।
ऋषियों का यह वास है।
शंकर का आवास है।।
यहाँ पर रहते लोग सुखी।
कोई ना होता यहाँ दुखी।।
मौसम अच्छा रहता है।
सबका मन यहाँ रमता है।।
ग्रीष्म में आती है यहाँ बाढ़।
फूलों से लद जाते पहाड़।।
यह कराता है भारत में बरसात।
वर्षा ऋतु में आती है यहाँ घास।।

हमारा पहाड़ हिमालय है।
औषधियों का आलय है।।

●●रचना●●
संजना मिश्रा कक्षा-8
यूपीएस, चित्रवार,
क्षेत्र-मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10.11.2020

928

दिन- मंगलवार

वाष्पन

जो पदार्थ फैल जाते हैं,
उनको द्रव हम कहते हैं।
ताप पाकर सतह के कणों को,
गैस में तुरन्त बदलते हैं।।

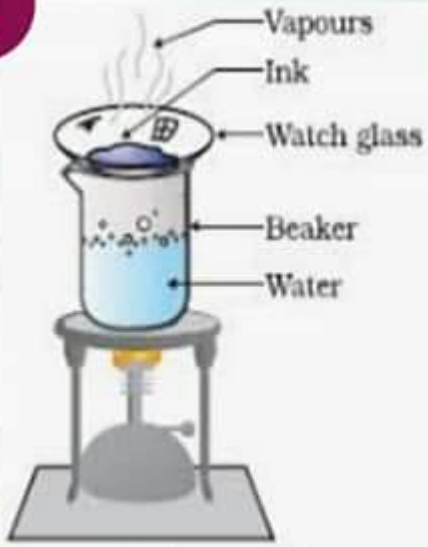

किसी तत्व की द्रव अवस्था से,
गैस अवस्था में परिवर्तन।
निश्चित ताप से पहले भी,
हो सकता कहते उसे वाष्पन।।

द्रव को ताप मिलते ही,
कणों में गतिज ऊर्जा बढ़ती।
अधिक ताप बढ़ जाने पर,
द्रव के कणों से वाष्प निकलती।।

द्रव के कण द्रव को छोड़,
वातावरण में गति करने लगते।
द्रव की मात्रा, भार कम होते,
ताप से कण वाष्पित होते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/11/2020

929

दिन- मंगलवार

गणित का कमाल

गणित है संख्याओं का घर,
अंश के नीचे लगता हर।
आओ सीखें अंकों का कमाल,
गणित विषय का यही धमाल।।

धारिता है नाप-तौल का खेल,
लीटर से नापा दूध और तेल।
पैमाने में है सेन्टीमीटर,
मीटर पैमाने से नापें किलोमीटर।।

8 केले 4 लोगों में बराबर बंटवाया,
सुनो दोस्तों यही भाग कहलाया।
कभी भी देखा होगा कैलेण्डर,
वहाँ महीने जनवरी से लेकर दिसम्बर।।

जिस संख्या को करो खंड-खंड,
वही संख्या का गुणनखंड।
यही शिक्षा याद रखना जीवन भर,
गणित हैं संख्याओं का घर।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-10/11/2020

930

दिन- मंगलवार

फूल

ईश्वर की सुन्दर रचना हैं,
रंग- बिरंगे प्यारे फूल।
कांटों में भी मुस्काते हैं,
रंग- बिरंगे न्यारे फूल।।

शोभा वन- बगिया की बढ़ाते,
खूशबू फैलाते हैं फूल।
सुमन, कुसुम, पुहुप आदि के,
नाम से जाने जाते फूल।।

पीले, लाल, गुलाबी, नीले,
और सजीले हैं ये फूल।
हम भी ऐसे ही बन जाएँ,
जैसे न्यारे कोमल फूल।।

बगिया में मिलकर लहराते,
सबके मन को भाते फूल।।
काँटों में भी मुस्काते हैं,
जीवन को महकाते फूल।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/11/2020

931

दिन- मंगलवार

रंग

खरगोश खाता गाजर लाल,
और टमाटर होता लाल।
तोता होता हरा-हरा,
खाओ पालक हरा-हरा।।

सर पर बाल काले-काले
काले बादल हुए मतवाले।
सूरज की रोशनी पीली,
खेतों में हुई सरसों पीली।।

आसमान होता है नीला,
मैंने पहना कुर्ता नीला।
गुड़िया के हैं गाल गुलाबी,
पहनी उसने फ्रॉक गुलाबी।।

चंदा की रोशनी सफेद,
चुन्नू ने पहनी शर्ट सफेद।
प्रकृति में हैं रंग खिले,
बच्चों के हैं दिल मिले।।

रचना-
शिल्पी वार्ष्णेय, स०अ०
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/11/2020

932

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग-10

समझू ने जब बैल लिया था,
उस समय वह बीमार न था।
उसकी मृत्यु इसलिए हुई।
उससे कठिन परिश्रम लिया।।

उसके दाने-चारे का उचित,
प्रबन्ध समझू ने नहीं किया।
इसमें अलगू का दोष नहीं है,
उसको पूरा दाम जाए दिया।।

अलगू चौधरी फुले न समाये,
बोले पंच परमेश्वर की जय।
साथ ही लोगों ने दोहराया,
पंच परमेश्वर की जय।।

जुम्मन, अलगू के पास आए,
उनके गले से लिपट गए।
अलगू चौधरी भावुक हुए,
उनके आँसू टपक गए।।

इस पानी से दोनों के,
दिलों का मैल धुल गया।
फिर से हरी हो गयी,
मित्रता की मुरझाई लता।।

समाप्त

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 10/11/2020
933
दिन- मंगलवार

दीवाली आयी

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमनें खुशियाँ बहुत मनायी।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने खूब मिठाई खायी।।

हमने खूब पटाखें जलाए,
अपने घर भी खूब सजाए।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने घर में रंगोली बनायी।।

दीवाली आयी, दीवाली आयी,
हमने नए कपड़ें पहने भाई।
हमनें घर में खूब सारी दीया जलाए,
हमने घर में मोमबत्ती भी जलाए।।

फूलों से घर सजाए,
माँ लक्ष्मी जी को फूल चढ़ाए।
दीवाली आयी, दीवाली आयी,
सबने घर में खूब सारी खुशियाँ मनायीं।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 10/11/2020
934
दिन- मंगलवार

मेरा उत्तराखण्ड

नौ नवम्बर सन् दो हजार में,
हुई जिसकी स्थापना।
वह न्यारा सा, वह प्यारा सा,
मेरा उत्तराखण्ड सुहाना।।

दो मण्डल हैं इसमें प्यारे,
कुमाऊँ और गढ़वाल निराले।
जिनमें बसे हैं तेरह जनपद,
जो हैं इसकी शान बढ़ाते।।

चारों धाम हैं बड़े ही निराले,
बद्रीकाश्रम और केदार प्यारे।
प्यारा हिमालय इसकी शान,
मेरा उत्तराखण्ड है महान।।

हिमालय की गोद में बसा,
देवभूमि का है यह संगम।
गंगा, यमुना हैं इसकी शान,
मेरा उत्तराखण्ड है महान।।

रचना-
देवेश्वरी सेमवाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० कान्दी
अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09.11.2020

935

दिन- मंगलवार

राज्य स्थापना दिवस

हर्षोल्लास का आलम लेकर,
नव- प्रभात आ गया।
आन्दोलनकारियों का त्याग,
आज पुनः याद आ गया।।

दो मण्डल और तेरह जिले,
हमको यही दिलाते आस।
अनेकता में एकता रहे,
अखण्डता में रहे विश्वास।।

नैना, जागेश्वर, बालेश्वर,
बद्रीनाथ, हेमकुण्ड महान।
केदारनाथ और कालीमठ भी,
धार्मिकता में हैं एक समान।।

देहरादून राजधानी इसकी,
शिक्षा-क्षेत्र में है विशेष नाम।
नौ नवम्बर स्थापना दिवस,
उत्तराखण्ड को कोटि प्रणाम।।

रचना -

ललिता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
मूनाकोट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 11/11/2020
936
दिन- बुधवार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
हरा-भरा जीवन बनाओ।
छाया ये हमको देते हैं,
फल ये हमको देते हैं।।

बाढ़ से हमको बचाते हैं ,
प्रदूषण दूर भगाते हैं।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा-भरा बनाएँगे।।

पेड़ सबसे लगवाएँगे,
स्कूल को सुंदर बनाएँगे।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
अपने विद्यालय को सजाएँगे।।

हम भी पेड़ लगाएँगे,
धरती माँ को सजाएँगे।
जब हम पेड़ लगाएँगे,
तब हम ठंडी हवा पाएँगे।।

रचना
अवंशिका सिंह(छात्रा)
कक्षा-5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

937

दिन- बुधवार

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

तर्ज- थोड़ा सा प्यार हुआ, थोड़ा है बाकी

आओ मिलकर के मनाएँ,
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस।
सभी खुश होके मनाएँ,
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस।।

आज मौलाना जी ने,
देश में जन्म लिया था।
अशिक्षा दूर भगाएँ,
उन्होंने प्रण ये किया था।।

कला, संगीत की,
अकादमी भी बनवायी।
महिला शिक्षा की,
अलख उन्होंने जगायी।।

भारत- रत्न सम्मान में,
उनकी हम शान में।
सभी मिलकर के मनाएँ,
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस।।

रचना

रचना- रश्मि (प्र०अ०)
प्रा० वि० गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

938

दिन- बुधवार

स्कूल चलो

पिंकी, बबलू, चुन्नू आओ,
गीता, गौरी, मुन्नू आओ।
स्कूल की घंटी बज गयी अब तो,
कलरव की किताब तो लाओ।।

"अ"अनार से शुरू करें गर,
"ज्ञ"ज्ञानी पर ख़तम ना हो फिर।
शब्दों का भण्डार पढ़ें हम,
हिन्दी का संसार गढ़े हम।।

अब गिनती का पन्ना खोलो,
एक से सौ तक बोलो।
गिनती का तो अन्त न भाई,
अब जोड़ घटा की बारी आयी।।

"A" एपल पर उँगली रखो,
"A"से"Z" तक अब तुम सीखो।
26 लैटर्स का बड़ा आभार,
अंग्रेज़ी भाषा के हैं आधार।।

रचना- रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

939

दिन- बुधवार

चंदा मामा

चंदा मामा आओगे,
मुझसे मिलने आओगे।
लड्डू पेड़ा खाओगे,
साथ मुझे ले जाओगे।।

धरती पर तुम आओगे,
चाँदनी को भी लाओगे।
उनको सैर कराओगे,
हमें घुमाने ले जाओगे।।

आसमान की सैर कराओगे,
बढ़िया पाठ पढ़ाओगे।
नयी कहानियाँ सुनाओगे,
चंदा मामा आओगे।।

चंदा मामा रात में आते हैं,
हमें सुलाकर जाते हैं।
नयी कहानियाँ सुनाते हैं,
फिर वापस चले जाते हैं।।

रचना

सौम्या कुमारी(छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

940

दिन- बुधवार

जानवरों की आवाजें

कुत्ता करता भों- भों,
गाड़ी करती पों- पों।
बंदर करता खों- खों,
दादा खाँसते खों- खों।।

बिल्ली करती म्याऊँ- म्याऊँ,
बाबू रोता आऊँ- आऊँ।
भैंस रंभाती भें- भें,
तोता करता टें- टें।।

कूँ- कूँ- कूँ- कूँ करती कोयल,
छम- छम, छम- छम बाजे पायल।
डेंचू- डेंचू गधा जब बोले,
बंद कानों को सबके खोले।

कुकड़ू- कूँ जब मुर्गा बोले,
भोर हो गई सबको बोले।
मक्खियाँ जब भिन भिनाएँ,
मीठे पर सब आ जाएँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना-
नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० बझेड़ा
चंडौस, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

941

दिन- बुधवार

ऑनलाइन पढाई

चलो हम ऑनलाइन पढ़ते हैं,
किताबों को साइड करते हैं।
हमें न समझो तुम नादान,
सब बातों को हम समझते हैं।।

कागज़ कलम पुरानी बातें,
ऑनलाइन पढ़ें और बने सयाने।
यार-दोस्त सब व्हाट्सएप पर,
पढ़ते हैं सब विषय सुहाने।।

सोचा ना था यह दिन भी आएगा,
शिक्षक बच्चों से दूर हो जाएगा।
मोबाइल पर होगा स्कूल सारा,
हर कोई ऑनलाइन पढ़ पाएगा।।

देते थे मोबाइल से दूरी की शिक्षा,
वही वरदान बन सामने आएगा।
सोचा ना था यह दिन भी आएगा,
हर कोई मोबाइल से ही पढ़ पाएगा।।

रचना- किरन कुमारी (स०अ०)
कम्पोजिट उ० प्रा० वि० निबाली
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.11.2020

942

दिन- बुधवार

चिड़िया और कौआ

कौआ देखो उड़ता आया,
खाने को वो दाना लाया।
चिड़िया ने भी दाना देखा,
पेड़ पर बैठ कौआ चिल्लाया।।

चिड़िया ने घर बनाना चाहा,
तिनका- तिनका उसने उठाया।
पेड़ एक नजदीक से देखा,
पेड़ पर जाकर उन्हें सजाया।।

कौआ चिड़िया दोनों रहते,
अपने- अपने सुख- दुःख कहते।
प्यास लगे तो पानी पीते,
नहीं मिलता तो व्याकुल रहते।।

चिड़िया ने कौए को बताया,
देखो! मित्र मैंने घर बनाया।
तुम अपनी ड़ाली पर रहना,
मेरे घर को मत तोड़ना।।

रचना-
कु० मालती (छात्रा)
कक्षा- 8
पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-11/11/2020

943

दिन-बुधवार

पेड़ों की महिमा

पेड़ हमें जीना सिखलाते,
पेड़ों की महिमा हम गाते।
पेड़ों की निराली है बातें,
पेड़ घनी छाया दे जाते।।

पेड़ों से मिलती ऑक्सीजन,
पेड़ों से मिलता हमें जीवन।
पेड़ हमें जीना सिखलाते,
पेड़ों की महिमा हम गाते।।

सुन्दर फूल देते हैं पेड़,
स्वादिष्ट फल देते हैं पेड़।
लकड़ियाँ देते हैं पेड़,
वायु प्रदान करते हैं पेड़।।

औषधियाँ देते हैं पेड़,
जीवन को सुगम बनाते पेड़।
पेड़ हमें जीना सिखलाते,
पेड़ों की महिमा हम गाते।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

944

दिन- बुधवार

आम का अचार बनाना

सबसे पहले स्वस्थ,
और कच्चे आम लेते हैं।
उन्हें साफ पानी से,
अच्छे से धो लेते हैं।।

आम को पहले काट कर,
गुठली, बीज निकाल लो।
हल्दी, नमक, हींग, राई,
का मसाला तैयार हो।।

आमों को मसालों में,
अच्छे से मिलाना है।
मसाला मिले आम को,
फिर धूप दिखाना है।।

फिर काँच, प्लास्टिक डिब्बे,
में तेल डाला जाता है।
बस ऐसी विधि से देखो,
अचार तैयार हो जाता है।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

945

दिन- बुधवार

माँ

माँ होती है सबसे प्यारी,
कहती है ये दुनिया सारी।
तूने मुझको जन्म दिया माँ,
मैं हूँ तेरी जिम्मेदारी।।

सुबह सबेरे तुम उठ जाती,
दिनभर लगकर, थक भी जाती।
फिर तुम परवाह ना करती,
बिगड़े मेरे काम बनाती।।

मुझको तुम एक बात बताओ,
ज़रा तो बैठो, पास तो आओ।
कैसे तुम इतना कर लेती,
मेरे सारे दुःख हर लेती।।

आज तो मैं बस ये ही बोलूँ,
दिल के सारे राज़ मैं खोलूँ।
तू है मेरी प्यारी मैय्या,
तुझसे मेरी सारी दुनिया।।

रचना-
मीनाक्षी रानी(स.अ.)
समेकित वि० देवसैनी
लोधा, जनपद- अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

946

दिनाँक- 11/11/2020

दिन- बुधवार

रेल

आओ परी संग खेलें खेल,
चलो बनायें एक लम्बी रेल।
छुक-छुक, छुक-छुक चलती रेल,
सबको सैर कराती रेल।।

सीटी देकर हमें बुलाती,
नानी के घर भी ले जाती।
हर दिन मजे लगाती रेल,
कितनी प्यारी लगती रेल।।

छूटे फिर ना मिलती रेल,
स्टेशन पर रूकती रेल।
गाँव-शहर दिखाती रेल,
लहराकर चलती है रेल।।

दूर-दूर ले जाती रेल,
बैठे अन्दर खाऊँ भेल।
सबके मन को भाती रेल,
छुक-छुक, छुक-छुक चलती रेल।।

रचना
अनुपमा जैन,(स०अ०)
पूर्व० मा० वि०, मौहकमपुर
वि०ख० इगलास,
जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 10/11/2020

947

दिन- बुधवार

तितली

रंग-बिरंगी तितली रानी,
तुम हो सुन्दर पंखों वाली।
चंचल मन के जैसी हरदम,
फुर्र-फुर्र करके उड़ने वाली।।

फूलों का रस पीती रहती,
सारा दिन हो चलती रहती।
लाल-गुलाबी-पीले-नीले,
फूलों की संगत में रहती।

कभी बैठती, कभी फुदकती,
दूर कभी उड़ जाती।
जैसे ही मैं पास हूँ जाती,
तुम हो घबरा जाती।।

खट्टा-मीठा मधुरस लेकर,
जब हो तुम इतराती।
मन करता है तुमको छू लूँ,
क्यों मुझको ललचाती?

रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

948

दिन- बुधवार

नारी शक्ति

हे नारी! तुम ही दुर्गा हो,
तुम ही लक्ष्मी तुम ही काली।
तुम ही राधा तुम ही मीरा,
तुम ही शबरी बेरों वाली।।

सीता की हो आन तुम्हीं,
द्रौपदी का अभिमान तुम्हीं।
लक्ष्मी बाई की बान तुम्हीं,
हो गार्गी का भी ज्ञान तुम्हीं।।

तुमसे ही सृष्टि हुई जग की,
तुमसे ही है ये जगत चला।
सारी दुनिया का नायक भी,
आकर तेरी ही गोद पला।।

तुम सहन शीलता की हो मूरत,
तुम त्याग समर्पण की सूरत।
है नमन तुम्हें हे मातृ शक्ति,
जग करता है तेरी भक्ति।।

रचना-
बृजराज सारस्वत (स० अ०)
पू० मा० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-11/11/2020

949

दिन- बुधवार

मिठ्ठू तोता

तोता है सबसे प्यारा,
सारे जग में घूमता न्यारा।
तोते की टें- टें प्यारी,
तोता है सबसे प्यारा।।

टें- टें, टें- टें करते उड़ता जाता,
तोता जब उड़ते हुए आता।
एक पेड़ पर जाकर बैठ जाता,
तोता है सबसे प्यारा।।

तोता जब जंगल में जाता,
मोर की वाणी सुनता जाता।
तोता खुश होकर गाता,
तोता है सबसे प्यारा।।

मीठे फल को खाता है,
मिट्ठू- मिट्ठू कहलाता है।
जब हरे पत्तों में छिप जाता है,
फिर किसी को नजर नहीं आता है।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूं

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/11/2020

950

दिन- बुधवार

सौर मंडल

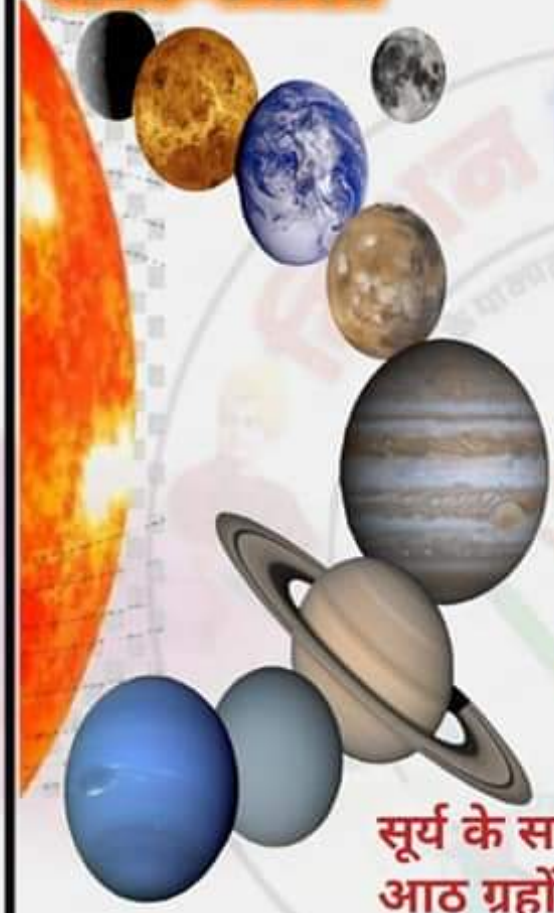

सौरमंडल में आठ ग्रह,
पृथ्वी है हमारा नीला ग्रह।
पृथ्वी का उपग्रह है चंद्रमा,
पृथ्वी को कहते धरती माँ।।

तारों की अनेक आकृतियाँ,
जिसे कहते नक्षत्र मंडल।
सात तारों की एक आकृति,
जिसे कहते सप्त ऋषि मंडल।।

पृथ्वी का रंग नीला हरा,
यह है जीवन से भरा।
उत्तर दिशा में धुव्र तारा,
सब तारों में सबसे प्यारा।।

सूर्य के साथ है आठ ग्रह,
आठ ग्रहों के अनेक उपग्रह,
सभी ग्रह और उपग्रह को मिलकर,
बना सौरमंडल इस तरह।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 11.11.2020
951
दिन- बुधवार

बादल आओ

बादल आओ, बादल आओ,
धरती पर तुम जल बरसाओ।
खेत- खलिहान सब सूख गए,
तुम हमसे क्यों रुठ गए।।

तुम्हारे बिना हैं जीव- जन्तु,
पशु- पक्षी सब प्यासे- प्यासे।
आकर इन की प्यास बुझा दे
हरा- भरा धरती को करा दे।।

गाड़- गधेरे सब सूख गए,
तुम बरसना क्यों भूल गए?
धरती की गर्मी दूर भगाओ,
बञ्जर धरती को उपजाऊ बनाओ।।

आकर तुम सबके मन भाओ,
रिमझिम- रिमझिम बरसा लाओ।
बादल आओ, बादल आओ,
धरती पर तुम जल बरसाओ।।

रचना-
बीना कठैत (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मगरू
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.11.2020

952

दिन- बुधवार

हिमालय का रुदन

आज हिमालय रो रहा,
टूट- टूट कर अश्रु बहा रहा।
गंभीर शांत हिमालय हो गया बेचैन,
अब नित अश्रु बहाते हैं उसके व्याकुल नैन।।

आँसुओं में दिखा रहा वह अपना क्रोध,
अभी तक नहीं है, हमें इसका बोध।
दिखा चुका थर- थरा कर कई कम्पन,
हो रहे हैं अब इससे नित कई भूस्खलन।।

रोने से हिमालय हिम- सरिताएँ मचल गयीं,
छोड़ अपनी सीमाओं को जमीं पर उमड़ गयीं।
आँसुओं ने मचा दी अब तबाही,
इनसे कैसे धरती जाएगी बचायी।।

सड़कें बनी, भवन बने, धरती को काट-काट कर,
जंगल जले, पेड़ जले, हो गई हरियाली बंजर।
कम करना होगा प्रदूषण का बढ़ता चलन,
लेने होंगे ठोस कदम, रोकने हिमालय का रुदन।।

रचना -

डॉ०विनीता खाती (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० गाड़ी
ताड़ीखेत, अल्मोड़ा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

953

दिन- गुरुवार

चलो बच्चों!

तर्ज- चलो सजना! जहाँ तक घटा चले

चलो बच्चों! कि फिर स्कूल चलें।
दिए जो बुझ रहे हैं, फिर जगमगा के जलें।।

सुंदर सपने देखो,
फिर से तुम किताब के।
प्रश्न करो तैयार फिर,
हिन्दी के हिसाब के।।
तुम चलो हम चलें,
कि फिर स्कूल चलें।।

अबकी बार दिवाली,
खुशियाँ लेकर आए।
हर बच्चा फिर घर से,
विद्यालय को आए।।
तुम चलो हम चलें,
कि फिर स्कूल चलें।।

मंजिल फिर सपनों की,
होगी अपने पास में।
होगा तुम्हारा योगदान,
देश के विकास में।।
तुम चलो हम चलें,
कि फिर स्कूल चलें।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

954

दिन- गुरुवार

परिवर्तन

आलस छोड़ो कलम उठाओ,
शिक्षा को हथियार बनाओ।
हर कीमत पर पढ़ो-पढ़ाओ,
जीवन में परिवर्तन लाओ।।

शिक्षा के पथ पर तुम आओ,
कर्म यही तुम सब अपनाओ।
स्वयं आगे बच्चों को लाओ,
मानवता का धर्म अपनाओ।।

बच्चों को विद्यालय लाओ,
ज्ञान का प्रकाश फैलाओ।
तुम अपना कर्तव्य निभाओ,
जग को नई दिशा दिखलाओ।।

हाथ पकड़ विद्यालय लाओ,
मानवता का फर्ज निभाओ।
नई सोच को तुम अपनाओ,
जीवन में खुशहाली लाओ।।

रचनाकार

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

955

दिन- गुरुवार

अकेला दीपक
विधा-छंदमुक्त

मैं दीपक अकेला और निशा की बेला,
दीप जलाए सारे, फिर क्यों अकेला?
दूर किया है तम, मन न उजला कर पाया।
मैने प्रकाश दिया, जलाकर अपनी काया।।
मन की बाती, उमंग का तेला।
मैं दीपक अकेला, कैसा यह खेला?
आज दिवाली का दिन है, प्रकाश का मेला।
नये उपकरण हैं जगमग, मुझे दूर धकेला।
मैं दीपक अकेला।।

मेरी महत्ता आज, लगे सबको ही छोटी।
क्या बात है जिस पर, आज ये दुनिया मुझसे रूठी।
जलकर रातों में,हवा का दर्द भी झेला।
मैं दीपक अकेला।।

घर का दीपक बेटा होता,घर ख़ुशी से भरता।
मैं एक अकेला दीपक ही, जग रोशन करता।
बेटा सबकी चाहत, मैं मिट्टी का डेला।
मैं दीपक अकेला।।

याद मुझे आता है, वो गुजरा ज़माना।
माँग रहा हूँ तुमसे, वो सम्मान पुराना।
आया करता घर-घर, दीपो का ठेला।
मिले स्थान वही, न रहूँ अकेला।
मैं दीपक अकेला।।

रचना -
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

956

दिनाँक- 12/11/2020

दिन- गुरुवार

आयी दीवाली

आयी दीवाली, आयी दीवाली,
सबके मन को भायी दीवाली।
ढ़ेर सारी सौगातें लायी दीवाली,
सबके लिये फलदायी दीवाली।।

घर-घर में सफाई कराए दीवाली,
तोहफों की बरसात लाए दीवाली।
घर-घर से अँधियारा मिटाए दीवाली,
दिलों में प्रेम का प्रकाश फैलाए दीवाली।।

ज्ञान के प्रकाश से भर जाए दीवाली,
अज्ञानता का तम हर आए दीवाली।
खुशियों का नया-सबेरा, बन जाए दीवाली,
फुलझड़ियों संग मुस्काए दीवाली।।

छोटी दीवाली, बड़ी दीवाली,
जग में जगमगाए दीवाली।
दीपमालाओं से सज जाए दीवाली,
रौशनियों संग मुस्काए दीवाली।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

957

दिन- गुरुवार

बेटी की पुकार

क्या अपराध था मेरा माँ, इतना तो बतला दो तुम?
क्यों जग में आने से पहले ही, तुमने मुझको मार दिया?

क्या अधिकार नहीं था मुझको, इस जग में आने का?
क्या अधिकार नहीं था मुझको, मातृ-प्रेम पाने का?
क्यों ना बेटों की भांति ही, तूने मुझको प्यार दिया?
क्यों जग में आने से पहले ही, तुमने मुझको मार दिया?

सारी सृष्टि ईश की रचना, क्या मैं उसका अंश नहीं हूँ?
क्या बेटे ही वंश हैं तेरे, क्या मैं तेरा वंश नहीं हूँ?
पिता मेरे क्यों मुझसे ज्यादा, बेटों को अधिकार दिया?
क्यों जग में आने से पहले ही, तुमने मुझको मार दिया?

मैं भी जीना चाहती थी, इस जग में आना चाहती थी।
मात-पिता परिवार का संग, और प्यार मैं पाना चाहती थी।
माँ होकर कैसे तुमने, अपनी ममता को मार दिया?
क्यों जग में आने से पहले ही, तुमने मुझको मार दिया?

रचना-
रविन्द्र कुमार "रवि" सिरोही
(ए०आर०पी०) बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

958

दिन- गुरुवार

सैर सपाटा

मित्र तीन थे सुन मेरे श्रोता,
एक गेंद और दूजा छाता।
डिब्बा तीसरा मित्र था उनका,
घूमें पहाड़ी ख्याल था जिनका।।

चार पैर का फिर मिला खरगोश,
पाँच कोने के तारे में था जोश।
पाँचों मिलकर यार चले सब,
सुनो हुआ क्या बाद इसके अब?

चींटी छः पैरों की राह मिली,
सात पैर की फिर मिली इल्ली।
आठ पैर का उन्हें मकड़ा मिला,
घूम आने का मन में सपना खिला।।

तितली मिली नौ बिंदी वाली,
मिलकर दो भाई दस- दस ताली।
पहाड़ी पर अब जा पहुँचे सारे,
खेल- खेलकर, मजे लूट के हारे।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा० वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

959

दिन- गुरुवार

राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

अक्षर-अक्षर शब्द मिलाएँ,
तम का खंडन करते जाएँ।
आत्मज्ञान का सुख सब पाएँ,
पढ़े-लिखे साक्षर बन जाएँ।।

जब तक जीवन में है अंधकार,
कैसे होगी भव नैया पार ?
मन की जिज्ञासा शांत कर जाएँ,
ज्यों ही ज्ञान चक्षु जग जाएँ।।

जीवन शिखर पर सब चढ़ जाएँ,
पढ़-लिखकर मेहनत का फल पाएँ।
विश्व में शांति दीप जलाएँ,
ज्ञान ज्योति से जग भर जाएँ।।

जब तक न होगी साक्षरता,
कैसे बढ़ेगी आत्मनिर्भरता?
जीवन में आएँगी सफलता,
जब जन-जन तक पहुँचेगी साक्षरता।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 12/11/2020
960
दिन- गुरुवार

रंग अलबेले

बाल हमारे काले-काले,
आँख की पुतली होती है काली।
काजल भी होता है काला,
पलकें भी होती है काली।।

लाल-लाल होता है अनार,
खून का रंग भी होता लाल।
मम्मी की माँग में सिंदूर भी लाल,
तरबूजा भी होता लाल।।

मटर भी होती हरी-हरी,
लहराती फसलें भी हरी।
मिट्ठू भी होता हरा-हरा,
मिर्च भी देखो हरी-हरी।।

पीली-पीली कढ़ी है होती,
पीली देखो दाल भी बनती।
हल्दी का रंग होता पीला,
मीठा आम भी होता पीला।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
क० मॉ० प्रा० वि.हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

961

दिन- गुरुवार

शिक्षा लेना हक़ सभी का

आओ सीखें ज्ञान पाठ,
आओ भगाएँ अँगूठा छाप।
गरीबी को दूर भगाएँ,
शिक्षा को आगे बढ़ाएँ।।

अपने देश को आगे बढ़ाएँ,
समाज से बीमारियों को दूर भगाएँ।
अज्ञान का अँधेरा दूर हटाएँ,
हर मनुष्य को पढ़ने को बिठाएँ।।

शिक्षा की यह प्रेरणा दिलाएँ,
सभी को शिक्षा का महत्व बताएँ।
शिक्षा बाँटना हक सभी का,
पूजा करना हक सभी का।।

शिक्षा लेना शान हमारी,
शिक्षा करना बुद्धिमता हमारी।
आओ ले चलें शिक्षा का रथ,
आओ मनाएं साक्षरता दिवस।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-12/11/2020

962

दिन-गुरुवार

मेहनती किसान

धरती को खोदता है किसान,
फसल उगाता है किसान।
सबकी भूख मिटाता है किसान,
सबसे प्यारा है किसान।।

मेहनत करता है किसान,
हरी-भरी फसल उगाता किसान।
धरती का श्रृंगार करता है किसान,
जन-जन का पालन करता किसान।।

खून पसीना बहा कर,
फसल उगाता है प्यारी।
दोपहरी धूप में किसान,
अथक परिश्रम करता किसान।।

सोने जैसी फसल देखकर,
मन में सपने देखे हजार।
धरती खोदता है किसान,
फसल उगाता है किसान।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 09-11-2020

963

दिन- सोमवार

हरी सब्जियाँ

खाओ ताजा सभी सब्जियाँ।
कई गुणों से भरी सब्जियाँ।।
गाजर, मिर्ची और टमाटर।
मैथी, पालक लाओ जाकर।।

कच्ची खाओ, भले पकाओ,
पकनेसे न डरीं सब्जियाँ।।

ये पौधे की जड़ हो सकती।
ये फल, फूल, तना, या पत्ती।।
मिट्टी, धूप, हवा, पानी ने,
मिलकर पैदा करीं सब्जियाँ।।

●●रचना●●
संजना मिश्रा कक्षा-8
यूपीएस, चित्रवार,
क्षेत्र-मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

964

दिन- गुरुवार

भारत की सेनाएँ

भारत की सीमाओं की,
रक्षा करते हैं जो वीर।
देश की आन-बान बढ़ाते,
देश प्रेम की देते नज़ीर।।

पहली सेना थल सेना है,
शत्रु से करे संग्राम।
दूसरी वायु सेना है,
जो नभ में भरे उड़ान।।

जल सेना ही नौ सेना,
करे समुद्री तट की रक्षा।
दुश्मन को है धूल चटाती,
करे देश की सुरक्षा।।

•रचना•
सुहानी गौतम कक्षा-8
यूपीएस, चित्रवार,
क्षेत्र-मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

965

दिन- गुरुवार

दीवाली का त्यौहार

आयी दिवाली आयी दिवाली,
सब के मन को भायी दिवाली।
दिऐ जलाएँ मोमबत्ती जलाएँ,
आँगन में रंगोली सजाएँ।।

घर की करें साफ-सफाई,
गणेश लक्ष्मी की मूर्ति बैठायी।
तरह-तरह के पकवान बनाएँ,
मिलजुल कर घर को सजाएँ।।

रंग-बिरंगे कंडील लगाएँ,
दिवाली का त्यौहार मनाएँ।
दिवाली पर मेहमान आएँ,
साथ में मिठाईयाँ खाएँ।।

गोवर्धन की पूजा करते,
सबके मन में आनंद भरते।
भैया दूज खुशी का त्यौहार,
भाई बहन का सच्चा प्यार।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

966

दिन- गुरुवार

मेहनत का फल

कहानी को हम गढ़ते हैं,
किताबों में हम पढ़ते हैं।
एक था राजा एक थी रानी,
शुरु हुई उन दोनों की कहानी।।

बच्चे उनके चार थे,
पढ़ने में होशियार थे।
बहुत ही मेहनती थे,
पढ़ते- लिखते रहते थे।।

चिन्टू, मिन्टू, गोलू, केसर,
गोलू बना डॉक्टर।
चिन्टू नेता, मिंटू अभिनेता,
भोलू बना क्रिकेटर।।

चारों ने खूब मेहनत की,
उनकी मेहनत रंग लाई।
उनके घर में खुशियाँ आई,
सबने मिलकर खुशियाँ मनाई।।

हमें भी खूब पढ़ना है,
जिंदगी में आगे बढ़ना है।
मेहनत रंग लाएगी,
हमारे सपनों को आगे बढ़ाएगी।।

रचना

बीना कठैत (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मगरू
ब्लॉक- भिलंगना,
टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12-11-2020

967

दिन- गुरुवार

बेटी है वरदान

तुच्छ सोच की तोड़ बेड़ियाँ,
विचारों को नवल- प्रभात आने दो।
करने दो शिक्षा की होड़,
सफलता की उड़ान भरने दो।।

कल्पना की कल्पना से,
प्रेरणा का संकल्प लेगी।
छूकर नखत, तारों, चाँद को,
ब्रह्माण्ड का चक्कर लगाएगी।।

सृष्टि की है जन्मदायनी,
तो प्रकृति को पहचानेगी।
हर मौसम को समझ कर,
जीने के कौशल अपनाएगी।।

मान करेगी सब का जग में,
जीवन में उजियाला फैलायेगी।
वृद्ध माता- पिता की सहारा बन,
स्वयं को विश्वास दिलाएगी।।

रचना- सन्नू नेगी (स०अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि० सिदोली,
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/11/2020

968

दिन- गुरुवार

संघर्ष

संघर्षशील इस जीवन में,
मायूस कभी तुम मत होना।

जीवन तो आता जाता है,
पर यादें ही रह जाती हैं।
कुछ बातें ऐसी होती हैं,
जो मन से भूल न पाती हैं।
पर याद रखो इस जीवन में,
कर्तव्यविमुख तुम मत होना।।

जीवन के पथ पर कण्टक तो,
हर क्षण आते रहते हैं।
वो मानव सच्चे मानव हैं,
जो इनको सहते रहते हैं।
पर ध्यान रखो तुम जीवन में,
कभी विचलित मत होना।।

संघर्षशील इस जीवन में,
मायूस कभी तुम मत होना।

रचना- प्रीति निगम (स०अ०)
प्रा० वि० नंगला जाफराबाद
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-11-2020 **969** दिन- शुक्रवार

धनतेरस

धनतेरस आया त्यौहार,
चारों तरफ है अजब बहार।
बाजारों में सजी दुकानें,
देखो लम्बी लगी कतार।।

कार्तिक माह की कृष्ण-पक्ष में,
त्रयोदशी की तिथि है आती।
भगवान धनवन्तरि अमृत लाए,
धनतेरस तभी से कहलाती।।

इस दिन लक्ष्मी जी के साथ,
पूजे जाते धनवन्तरि।
शुभारम्भ है दीपावली का,
फिर त्यौहारों की बहार चली।।

जैन आगम में धनतेरस को,
धन्य या धान्य तेरस है जाना।
भारत सरकार ने धनतेरस को,
"राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस" है माना।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

970

दिन-शुक्रवार

सुरमयी संसार

सुरमयी हो जीवन हमारा,
असुरों से कर पाएँ किनारा।
दे पाएँ दुखियों को सहारा,
जीवन होवे तब सफल हमारा।।

सुरों से हो जाते हैं उपचार,
दूर हो जाते मन के विकार।
सुर देते आकार संवार,
सुरों से करते पशु-पक्षी भी प्यार।।

सूर्य के किरणों की थिरकन,
वर्षा की छन-छन-छनाछन।
प्रकृति के नृत्य में कर विभोर मन,
हो जाए तेरा जीवन पावन।।

धड़कन के संगीत को सुनकर,
दो क्षणअपने से भी जुड़कर।
जीवन को पल-भर का मानकर,
सुखी बन सुर को अपनाकर।।

रचना-
प्रतिमा भारद्वाज
पू० मा० वि० वीरपुर
छबीलगढ़ी ,जवां, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

971

दिन- शुक्रवार

अपना प्यारा घर

आओ बच्चों! तुमको बताएँ, एक अनोखी बात,
घर में हम सब मिलके रहेंगे, भाई-बहिन के साथ।
मेरे घर में कितना सुन्दर एक बगीचा है,
आम, नींबू, तुलसी, गेंदा और पपीता है।।

शुध्द रहे वातावरण, इन पेड़ों के साथ,
सर्दी-गर्मी और बारिश से, रक्षा करता घर।
खिड़की दरवाजे हैं इसमें, न आए जानवर,
बनाए रखना इसको सुन्दर, स्वच्छता के साथ।।

माता-पिता भाई बहिन हैं, अपने रिश्ते नाते,
सुख-दु:ख में साथ देते, अपने सब बच्चों के।
कभी न करना इनका अनादर, देना इनका साथ।
घर में हम सब मिलके रहेंगे, भाई-बहन के साथ।।

रचना
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि०बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

972

दिन- शुक्रवार

कोरोना काल

तर्ज- ये गोटेदार लहंगा निकलूँ जब डाल के

कोरोना काल है भैया, रहना सम्भाल के।
मत करना लापरवाही, चलो देखभाल के।।

चीन देश से एक वायरस, दुनिया में है आया,
बड़ा आतंक मचाया।
अपने रंग में रंग लिया है, जो सम्पर्क में आया।
डर-डर के गुज़र रहे हैं, दिन इस साल के।।

साबुन से हाथों को धोना, दिन में कई-कई बार,
तब पाओगे पार।
मास्क लगाना चेहरे पर तुम, जब भी निकलो बाहर।
एक मीटर दूरी रखना, मिलना जिस हाल के।।

आँख, नाक, चेहरे को अपने, बार-बार ना छूना,
खतरा हो जाए दूना।
रखनी है सावधानी हरदम, दिल्ली रहो या पूना।
करना पालन सरकारी, नियम और सवाल के।।

सैनेटाइज़ करते रहना, हाथों को जरूर,
मत होना मगरूर।
पौष्टिक भोजन करना है, भाई सबको भरपूर।
सोशल डिस्टेंसिंग रखना, डर दिल से निकाल के।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
जनपद- बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

973

दिन- शुक्रवार

धान पके तब

चुटकी-चुटकी पौध लगाते,
पाँति-पाँति में खूब सजाते।
करी सिंचाई और निराई,
मेहनत से हैं धान पके तब।।

बारिश जब भी हुई जोर की,
काका की गायब नींद भोर की।
पानी बाँधा चारों ओर का,
तभी बढ़े थे पौध धान तब।।

रोज-रोज थे खेत को जाते,
लौटके घर को फिर थे आते।
मेहनत करते रहे तभी तो,
खेत में सबके धान पके तब।।

खाद, दवाई छिड़की उन पर,
पत्ती-पत्ती हरी थी सुन्दर।
ऊपर -ऊपर बाली निकली,
उजले फूल हुए धानों के तब।।

रचना-सतीश चन्द्र(इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि०अकबापुर
पहला,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-13/11/2020

974

दिन- शुक्रवार

Never Break Heart Who Loves You

A tree with beautiful buds,
But there was a crazy bird.

Bird was making nest on tree,
But tree wanted to be free.

Tree had so many birds ever,
That bird was not so special.

Bird loved the tree so heartly,
Once tree told her so harshly.

One day bird gave a message,
But tree said her what rubbish.

Bird's heart was full of sorrow,
It was my love not your borrow.

When tree was not looking her side,
Bird cried,,sky cried,all world cried.

With broken heart bird flew away,
And never come back on that way.

रचना -
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-11-2020

975

दिन- शुक्रवार

लाल सूरज

लाल-लाल कन्दुक सा सूरज,
लाल-लाल ही लाली है।
सुबह-सुबह उगता पूरब में,
जैसे गोल सी थाली है।।

कलियों ने आँखे खोली हैं,
चिड़ियों ने गाना गाया।
मम्मी बोली- जागो बेटे!
देखो सूरज निकल आया।।

जल्दी उठो, स्कूल तुम जाओ,
तब आगे बढ़ पाओगे।
सुबह-सुबह जो सोते रहते,
आलस में समय गंवाएँगे।।

रचना-

सुष्मिता द्विवेदी (कक्षा- 8)
यूपीएस, चित्रवार
क्षेत्र- मऊ (चित्रकूट)

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-11-2020

976

दिन- शुक्रवार

किताबों से दोस्ती

जीवन भर ज्ञान हैं देतीं,
नहीं किसी से कुछ भी लेतीं।
बच्चों के मन को मोह लेतीं,
रंग-बिरंगी है यह किताबें।।

किताबों से तुम करो दोस्ती,
जीवन भर फिर रहो सुखी।
रोज पढ़ो तुम एक कहानी,
दौड़ी-दौड़ी आयी रानी।।

दोस्त कभी तो रुठेगा,
पर किताब कभी ना रुठेगी।
किताबों से तुम प्यार करोगे,
ज्ञान से तुमको भर देगी।।

ज्ञान से लक्ष्य बना सकोगे,
जीवन तभी सफल होगा।
मंजिल सबको जरुर मिलेगी,
जब किताबों से दोस्ती होगी।।

रचना-
हरमिन्दर कौर (स०अ०),
रा० प्रा० वि० ढकिया नं०-1
काशीपुर, ऊधम सिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-11-2020

977

दिन- शुक्रवार

बचपन

यदि मेरा होता हमेशा बचपन,
तो जीती मैं खुलकर जीवन।
ना होता सामाजिक बंधन,
और न होता जीवन दुर्गम।।

बचपन था तो तितली बनकर,
मैं उड़ती ही रहती थी।
डाल-डाल और पात-पात पर,
मधु रस चूमा करती थी।।

पर ज्यों ही मैं बड़ी हो गई,
दुनिया कि निगाहें उठती है।
मानो जैसे मुझसे वो सब,
अनगिनत सवाल करती हैं।।

बचपन होता कितना प्यारा,
सब उम्रों से होता न्यारा।
लौटा दो मुझको मेरा बचपन,
नहीं चाहिए दुनिया का गम।।

रचना-
सरिता त्रिपाठी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० तल्लीताल
नैनीताल, उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-10-2020 **978** दिन- शुक्रवार

विश्व दयालुता दिवस

(13 नवंबर)

दया प्रेम की परिभाषा है,
दया होंठों की मुस्कान है।
दया मानव का श्रृंगार है,
दया मानवता की जान है।।

करें दया सब जीवों पर,
सब जीवों का सम्मान करें।
मत पहुँचाएँ चोट किसी को,
किसी का ना नुकसान करें।।

प्यासे को पानी पिलाएँ,
भूखे को रोटी भरपेट दें।
अनाथों को आश्रय दे दें,
सबके होंठो को मुस्कान दें।।

दान करो दिल खोल के सपना,
ना दौलत पर अभिमान करें।
दया-धर्म निभाएँ हम सब,
और प्रभु का गुणगान करें।।

रचना सपना (स०अ०)
प्रा० वि ० उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

979

दिन- शुक्रवार

धनतेरस

माह कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी,
प्रकट हुए लेकर अमृत कलश भगवान धन्वंतरि।
इसलिए कहते धनतेरस या धनत्रयोदशी,
इसी दिन राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस भी मनाएंगे सभी।।

धन्यतेरस या ध्यानतेरस जैन आगमन में कहते,
तीसरे, चौथे ध्यान, महावीर स्वामी योग निरोध में गए।
पश्चात तीन दिन दीपावली को निर्वाण प्राप्त हुए,
इसलिए धन्यतेरस नाम से प्रसिद्ध हुए।।

अमृत से भरा कलश है जिसके हाथ,
वो हैं प्रभु धन्वन्तरि सबके साथ।
इस दिन धन-सम्पदा में होती वृद्धि,
होती दूर विपदा आती है समृद्धि।।

चिकित्सा के देवता भी हैं धन्वंतरि,
मनोकामना संग स्वास्थ्य धन की भी होती पूर्ति।
जिसके द्वार दे दस्तक भगवान धन्वंतरि,
हो जीवन सफल वही है स्वस्थ और सुखी।।

रचना
रूखसाना बानो(स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

980

दिन- शुक्रवार

ईमानदार

ईमानदार लोग रहते खुश,
कभी न करते किसी को रुष्ट।
वो करते हैं सबको खुश,
इसीलिए वो रहते खुश।।

ईमानदार बनेंगे हम,
अच्छे कर्म करेंगे हम।
देश का मान बढ़ाएँगे हम,
सदा रहेंगे सच्चे हम।।

अगर हम ईमानदार बनेंगे,
सब हमारा सम्मान करेंगे।
सदा ईमानदारी हम दिखाएँगे,
लोगों को भी यही समझायेंगे।।

ईमानदारी के मार्ग पर चलेंगे हम,
दुनिया को भी चलाएँगे हम।
ईमानदार सबको बनाएँगे हम,
ईमानदार बनकर आगे बढ़ जाएँगे हम।।

रचना
भानु प्रताप(छात्र)
कक्षा- 5
प्रा०वि०-डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13.11.2020

981

दिन- शुक्रवार

मंगलमय दीवाली

दीप जलाना ज्ञान का होता,
हर सुर मधुर तान का होता।
अपनेपन का प्यार बिखेरो,
बचपन भूखा मान का होता।।

धनतेरस लाए खुशहाली,
मन भूखा मुस्कान का होता।
हर परिवार में छाए खुशियाँ,
कहीं कोई अपमान न होता।।

स्वस्थ शरीर में सुंदर मन,
ऐसा मन में भान है होता।।
माँ लक्ष्मी, गणेश को पूजें,
जगमग घर-मकान सब होता।।

पूजा में रोली-चावल,
फल-फूल और मिष्ठान है होता।
आएगी शुभ बेला तब,
परिवारों में मंगलगान है होता।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13/11/2020

982

दिन- शुक्रवार

दया धर्म सर्वश्रेष्ठ

दया सबको सीखनी चाहिए,
सब प्राणियों पर दिखानी चाहिए।
महावीर स्वामी ने सन्देश दिया,
जियो और जीने दो का ज्ञान दिया।।

गौतम बुद्ध ने यह बतलाया,
जीवो पर दया करो, सिखालाया।
सिंगापुर ने प्रथम दया ध्वज फहराया,
विश्व-दया आन्दोलन का नाम बढ़ाया।।

दया-धर्म का मूल पाप, मूल अभिमान,
दया-धर्म का ज्ञान बढ़ाना है सम्मान।
दया धर्म का है सूरज पुंज,
विनम्र, मित्रवत जन की होती जग में गूँज।।

अँधेरा दया धर्म का काँटा है,
दया-धर्म मिलकर तम को हटाता है।
जिसके हृदय में दया है समायी,
उसने जग में खुशियाँ हैं पायीं।।

रचना- कृष्ण पाल (छात्र)
कक्षा-7
उ० प्रा० वि० सोही
बजीरगंज, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 13-11-2020

983

दिन- शुक्रवार

बेटी है अभिमान

बेटा और बेटी दो नयन,
माता-पिता के सुन्दर चमन।
खिलती जिनसे मन की बगिया,
दोनों डाली के अद्भुत सुमन।।

बालक यदि है मान,
बालिका भी अभिमान।।
अंतर कुछ नहीं दोनों में,
माता- पिता की शान।।

बालिका के जन्म पर,
होता सबको गर्व।
बेटी के आने से घर,
बन जाता मानो स्वर्ग।।

बेटी का तिरस्कार नहीं ,
करो स्नेहिल सत्कार।
मासूम है नाजुक नहीं ,
कर सकती चमत्कार।।

रचना-
सन्नू नेगी (स०अ०)
रा०क०उ०प्रा०वि०सिदोली
ब्लॉक - कर्णप्रयाग, चमोली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 13.11.2020
984
दिन- शुक्रवार

दीपावली पर्व

दीप से दीप जलाते चलो,
दीवाली का पर्व मनाते चलो।

चौदह वर्ष वन में बिताए,
राम, लखन, सिय अयोध्या आए।
उनके अभिनन्दन में सबने,
घर-घर दीप जलाए।।

घर का कोना-कोना स्वच्छ बनाया,
दीपमाला से खूब सजाया।
तरह-तरह के पकवान बनाए,
मिलकर सबने खूब खाए और खिलाए।

तरह-तरह की आतिशबाजी,
बच्चों के मन को है भायी।
विदेशी सामान न अपनाएँ,
मिट्टी के दिए जलाए।

अपने देश को रोशनी से नहलाएँ,
भारत वर्ष को महान बनाएँ।

रचना:-
कुसुम लता नौटियाल (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० खर्क
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल,

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

984

दिन- शनिवार

जय गिरिराज जी

बालपन में जिद माता से कृष्ण की,
गिरिराज पूजो सभी न पूजा करो इन्द्र की।
खेल खेलते बाल-सखा संग तलहटी में,
देते परिक्रमा रोज गिरिराज धरण की।।

ब्रजमण्डल के देव तो गिरिराज जी हैं,
आज पूजा होगी उनके श्री चरणों में।
देख अद्भुत दृश्य पूजा गोबर्धन की,
इन्द्र कुपित कर दीन्हीं वर्षा रात-दिन की।।

ब्रज के ग्वाल-बाल, गाय सब परेशान थे,
अब नहीं बच सकते कोप देवतागण की।
सात वर्ष की आयु में गिरिराज जी को,
उठाया उँगली पर रक्षा को ब्रजवासियों की।।

इन्द्र मूसलाधार बारिश करके हारा,
कृष्ण की लीला ब्रजवासी रक्षण की।
समझा इन्द्र ब्रज आकर के चरण पकड़े,
जय बोली जय हो श्री गिरिराज धरण की।।

रचना
नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० वि०- तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14.11.2020

985

दिन- शनिवार

दीपावली

अँधेरा धरा का मिटाने की खातिर,
सोये हुओं को जगाने की खातिर।
चलो एक दीपक मिल कर जलाएँ,
नये ढंग से अबके दीवाली मनाएँ।।

रोते हुओं को चलकर हँसाएँ,
रुठे हुओं को फिर से मनाएँ।
टूटे हुये रिश्तों को हम जोड़ आएँ,
नये ढंग से अबके दीवाली मनाएँ।।

जो भटके हैं उनको राहें दिखाएँ,
जो बिछड़े हैं उनको फिर ढूँढ़ लाएँ।
जो पिछड़े हैं उनको हम साथ लाएँ,
नये ढंग से अबके दीवाली मनाएँ।।

अज्ञानता को हटाने की खातिर,
मनों की मलिनता मिटाने की खातिर।
चलो ज्ञान दीपक एक उर में जलाएँ,
नये ढंग से अबके दीवाली मनाएँ।।

रचना-
बृजराज सारस्वत (स०अ०)
पूर्व माध्यमिक वि०- गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

986

दिनाँक- 14-11-2020

दिन- शनिवार

दीपोत्सव

आओ ज्ञान का दीप जलाएँ,
अज्ञानता को जड़ से मिटाएँ।
मिलकर के सब हाथ बढ़ाएँ,
भारत को हम विजयी बनाएँ।।

उम्मीदों की राह बनाएँ,
निशदिन आगे बढ़ते जाएँ।
आती अगर हैं बाधाएँ तो,
देखकर उनको ना घबराएँ।।

साहस से परचम लहराएँ,
मानवता का धर्म निभाएँ।
रह जाए जो राह में छूटा,
हाथ बढ़ाकर उसे बढ़ाएं।।

संस्कृति को आगे ले जाएँ,
मूल्यों से हम जाने जाएँ।
बेशक चमकें लाखों तारे,
सूरज सा हम जगमगाएँ।।

रचना
अंशिका शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नौजरपुर
निधौली कलाँ, एटा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-14/11/2020

987

दिन-शनिवार

Festival of light

This festival of light,
Makes this world bright.

This the festival of happiness,
Which shines away darkness.

Today truth has defeated lies,
You can see victory in everyone's eyes.

Glowing candles and rocket flight,
Brighten the houses to sky height.

We light the candles in a row,
Which removes all sorrow.

Saying the smiling candle,
Any problem we can handle.

Forgetting the caste and religion,
Diwali is celebrated in every region.

Sparking lamps giving beautiful sight,
It is the joyful Diwali night.

रचना -
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

988

दिन- शनिवार

मेला

मेरे गाँव में हर साल,
ऐसा मेला लगता है।
खेल-खिलौने, कुश्तीबाजी,
सर्कस खूब जमता है।।

चार दुकानें गुलदस्ते की,
आठ दुकानें बर्तन की।
सोलह दुकानें श्रगार की,
बाकी चाट-पकौड़ों की।।

रंग-बिरंगे गुब्बारे हैं,
करतब यहाँ निराले हैं।
चरख, घोड़े, मिक्की माउस, झूले
हमें झुलाते हैं।।

नौटंकी करने वाले कलाकार,
यहाँ पर आते हैं।
तरह-तरह के नाच दिखाकर,
अपना रंग जमाते हैं।।

हर साल ये आता मेला,
इस साल नहीं आया है।
मौज मस्ती धूम मचाने को,
मेरा मन ललचाया है।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

989

दिन- शनिवार

धनतेरस और दीपावली

धन-धान्य से पूर्ण हो,
घर-परिवार सम्पूर्ण हो।
माँ लक्ष्मी का ऐश्वर्य बरसे,
निज आँगन खुशियाँ बरसें।।

गजानन कष्ट हरें,
दुःख-दारिद्र दूर करें।
प्रभु का आशीष हो,
आशीर्वाद साथ हो।।

माँ सरस्वती ज्ञान दें,
अज्ञानता दूर हो।
हर मानस भलाई करे,
ऐसा आशीर्वाद हो।।

निजकाम सबके पूर्ण हों,
बाधाएँ सबकी दूर हों।
घर-आँगन खुशहाली हो,
ऐसी सबको खुशहाली हो।।

रचना- रजत कमल वार्ष्णेय
(स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-11-2020

990

दिन- शनिवार

माँ शारदे वन्दना

नित-नित मैं तेरा ध्यान करूँ,
हे! माँ तेरा गुणगान करूँ।
ज्ञानप्रदायनि, वीणावादिनि,
माँ तेरी जयकार करूँ।।

तेरे आँचल में जो आता,
जीवन धन्य-धन्य हो जाता।
ज्ञान प्रफुल्लित चहुँ दिशा में,
दीपक बनकर सदा फैलाता।।

माँ कर दे मेरी राह आलोकित,
नमन मैं बारम्बार करूँ।
ज्ञानप्रदायनि, वीणावादिनि,
माँ तेरी जयकार करूँ।।

हंस सवारी माँ कहलाती,
वाणी में भी है बसती।
सदमार्ग मिले हे मातेश्वरी,
जब-जब वीणा है बजती।।

वीणा की झंकार बजा दे,
ज्ञान का तरकश हे माँ भर दे।
रज तेरे चरणों की बनूँ,
विनती मैं बारम्बार करूँ,
ज्ञानप्रदायनी वीणावादनी,
माँ तेरी जयकार करूँ।

रचना-
भुवन बिष्ट (स०अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि०
चौकुनी, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-11-2020

991

दिन- शनिवार

प्रदूषण से बचाव

दीवाली का त्योहार आया है,
सभी के मन को भाया है।
ध्यान सभी को रखना है,
प्रदूषण से भी बचना है।।

आतिशबाजी नहीं चलानी है,
पटाखों से धन की हानि है।
धन भी हमें बचाना है।
हवा को भी स्वच्छ बनाना है।।

ध्वनि प्रदूषण से कानों की,
वायु प्रदूषण से फेफड़ों की।
बीमारी से रक्षा करनी है,
हमको धुआँ नहीं फैलाना है।।

HAPPY Diwali

बच्चे, बूढ़े और मित्रों को,
प्रदूषण से भी बचाना है।
वायु को शुद्ध बनाना है,
पटाखों को नहीं जलाना है।।

रचना-
हरमिन्दर कौर (स०अ०)
रा० प्रा० वि० ढकिया नं०-1,
काशीपुर (ऊ०सि० न०) उत्तराखण्ड

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-11-2020

992

दिन- शनिवार

कोरोना

देश बड़ा हो या छोटा,
सबको पड़ गया रोना।
सब घर के अंदर जा बैठे,
बाहर बढ़ा कोरोना।।

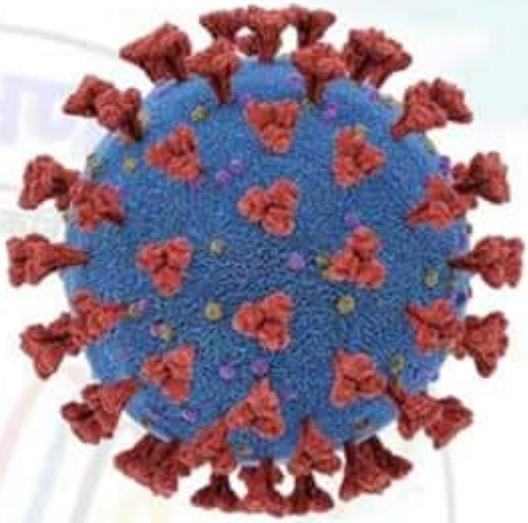

जानलेवा वायरस से देखो,
सबकी शामत आई।
इससे मरने वालों का तो,
बड़ा आँकड़ा भाई।।

दूरी से ही इस वायरस की,
चैन जल्द टूटेगी।
ये बीमारी दुनिया भर से,
तब ही दूर हटेगी।।

संक्रमण का जो हो खतरा,
डॉक्टर को बतलाओ।
सबको अपने से दूर रखो,
और क्वेरेंटाइन में जाओ।।

रचना-

संजना मिश्रा (छात्रा) कक्षा- 8
पू० मा० वि० चित्रवार,
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-14/11/2020

993

दिन- शनिवार

चलो स्कूल

मन में हमने ठाना है,
स्कूल रोजाना जाना है।
चाहे कोई मजबूरी हो,
पर न स्कूल से दूरी हो।।

स्कूल में खाना मिलता है,
बच्चा-बच्चा खिलता है।
रीडिंग कॉर्नर, खेल-खिलौना,
टी० एल० एम० से सजा हर कोना।।

चलो मिलकर सभी स्कूल,
खिलोगे बनकर सुन्दर फूल।
अध्यापक हैं दोस्त हमारे,
बना देते हैं हमको सितारे।।

स्कूल में अच्छा लगता है,
हर सपना सच्चा लगता है।
पढ़-लिख कर कुछ बनना है,
बनकर सूर्य चमकना है।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

994

दिन- शनिवार

काले बादल और बारिश

आसमान में काले बादल,
आसमान में छाए बादल।
गरज-गरज कर आते बादल,
बरस-बरस कर जाते बादल।।

भाप बनकर उड़ जाता पानी,
तब नदियों में बहता पानी।
पहाड़ों से पिघल आता पानी,
कल-कल करता आता पानी।।

बच्चों को खुश करती बारिश,
खेतों को चमकाती बारिश।
पशुओं की प्यास बुझाती बारिश,
मोरों को खूब नचाती बारिश।।

इन्द्रधनुष को लाती बारिश,
बागों में फूल खिलाती बारिश।
मीठा पानी लाती बारिश,
सबके मन को भाती बारिश।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-14/11/2020

995

दिन- शनिवार

प्यारी प्रकृति

सूरज हर दिन आता,
अँधेरे को दूर भगाता।
चाँद-सितारे रात भर जगते,
धरती पर उजियारा करते।।

बादल दिन भर बरसते,
ताल-तलैया भर देते।
जब फूल सुबह खिलते,
सबका मन मोह लेते।।

नदिया दिन भर बहती,
सबकी प्यास बुझाती।
जो पानी को बर्बाद न करता,
वो सच्चा मानव कहलाता।।

हवा रात भर बहती रहती,
हवा नया है जीवन देती।
धरती पर होती है खेती,
सबकी भूख मिटाती खेती।।

रचना-
शशी (छात्रा)
कक्षा- 7
उ० प्रा० वि० सोही
वजीरगंज, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

996

दिनाँक- 14/11/2020

दिन- शनिवार

पावन दीवाली

दीवाली का त्योहार आया,
सबने मिलकर खूब मनाया।
घर-घर हुई साफ-सफाई,
संग खुशियों की सौगात लायी।।

रंग-बिरंगी रंगोली बनायी,
खुशी से दीवाली मनायी।
तरह-तरह के पकवान बनाये,
मन भर कर सबने खाये।।

दीवाली का त्योहार आया,
सबके मन में खुशियाँ लाया।
भाई-दूज का त्योहार पावन,
भाई-बहन का मनभावन।।

गोवर्धन की पूजा करायी,
समृद्धि की कामना भायी।
सबके जीवन में खुशियाँ लायी,
इस तरह हमने दीवाली मनायी।।

रचना
राधा, कक्षा-4
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

997

दिन- शनिवार

सौम्या

सौम्या कितनी प्यारी है,
सौम्या कितनी अच्छी है।
सौम्या कितनी भोली है,
सौम्या कितनी न्यारी है।।

सौम्या कितनी पढ़ती है,
चिड़िया के जैसे उड़ती है।
सौम्या ने लिखी कहानी,
सौम्या रानी कितनी प्यारी।।

सौम्या सबको ज्ञान पढ़ाती,
सौम्या सबको शिक्षा देती।
सौम्या सबको पाठ पढ़ाती,
सौम्या सबको ज्ञान सिखाती।।

सौम्या तितली जैसी प्यारी है,
सौम्या एक बालिका है।
सौम्या का जन्म दिन मनाओ,
तेरह सितम्बर को मनाओ।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी
कक्षा-5
प्रा० वि० डेरवांखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

998

दिन- शनिवार

दीपावली

देने का संस्कार ही है सच्ची दिवाली,
आओ मिलकर बनाएँ एक प्रथा निराली।
रहे न किसी का हाथ खाली,
हर घर में हो रौशनी संग खुशहाली।।

परमात्मा, प्रकृति में विद्यमान असीम ऊर्जा,
स्वयं के लिए नहीं अपितु सुख पाए दूजा।
देने की प्रव्रत्ति में निहित है गरिमा महान,
खुशियों से भरा हो दामन आपकी महिमा का हो गुणगान।।

वृक्ष स्वयं फल खाते नहीं,
नदी न संचय करती कभी नीर।
परहित सेवा, सहयोग और सम्मान,
से विकसित हो सम्पदा, संस्कृति महान।।

आओ अपनी सभ्यता को करते हैं विकसित,
जन-जन में हर मन में हो मानवता प्रकाशित।
खिल उठे चेहरे दूर हो ये काली रात अँधियारी,
देने का संस्कार ही है सच्ची दिवाली।।

रचना:
रूखसाना बानो(स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

999

दिन- शनिवार

संवेदी अंग

आओ बच्चों तुम्हें बताएँ,
संवेदी अंगों का ज्ञान कराएँ।

आँखें जो हमको दिखलाएँ,
रंगों की पहचान कराएँ।
रखे हम आँखों का ख्याल,
धोए हम इनको बारम्बार।।

नाक का सारा खेल निराला,
सूँघने का अजब खेल है सारा।
त्वचा कराए स्पर्श का ज्ञान,
गरम, ठंडे की हमें पहचान।।

जीभ कराए स्वाद का ज्ञान,
कड़वा, खट्टा, मीठा जान।
कान कराएँ सुनने का काम,
अच्छे बुरे की यह पहचान।।

रखो बच्चों इनका ख्याल,
कर लो इनकी तुम देखभाल।

रचना

नीतिका वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ ,लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/11/2020

1000

दिन- शनिवार

रोशनी का त्यौहार

आया दीपों का त्यौहार,
घर में खुशियों की बहार।
खेल-खिलौने, बताशे और अनार,
झिलमिल झालर करे रोशनी अपार।।

आया धनतेरस का त्यौहार,
घर में आए धन बेशुमार।
सुख समृद्धि की करे बौछार
व्यापार में आए उन्नति की बहार ।।

दिवाली है रोशनी का त्यौहार,
दीपों की सजी है कतार।
जगमगाए घर संसार,
पवित्र ज्योति से आएँ खुशियाँ हजार।।

आया भाई-दूज का त्यौहार,
बहन की दुआएँ भाई के लिए हजार।
तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर,
बहना माँगे भाई की खुशियाँ अपार।।

तुलसी राव
(पूर्णकालिक शिक्षिका-विज्ञान)
के०जी०बी०वी० गंगीरी
जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

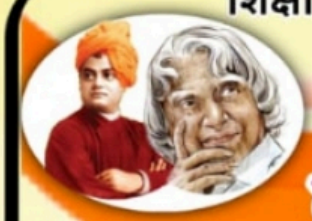

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभार:

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

शिक्षा का उत्थान, मिशन संवाद शिक्षण शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429